

संवहनीय खपत और उत्पादन: एसडीजी 12

प्रलिस के लयः

वैश्वकः खाद्य अपशषऱट, सतत् वकऱस लक्ष्य, पारसऱथलकऱकऱ पदचहऱन, प्लासऱकऱ अपशषऱट

मेन्स के लयः

सतत् वकऱस लक्ष्यों का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

सतत् वकऱस लक्ष्य (SDG) 12 के मामले में वशऱव में भारत की प्रगतऱ काफी उचऱतऱ गतऱसे हुई है लेकनऱ यह प्रगतऱ संतऱषजनक नहीं है ।

- सतत् वकऱस लक्ष्य (SDG) 12 का उददेश्य वशऱव में हर जगह संवहनीय/सतत् खपत और उत्पादन पैटर्न को सुनशऱचऱतऱ करना है ।
- सतत् खपत और उत्पादन से तात्पर्य "सेवाओं एवं संबंधऱतऱ उत्पादों के उपयोग से है, जो बुनयऱदी ज़रूरतों को पूरा करने के साथ जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं तथा प्राकृतऱकऱ संसाधनों और भावी पीढ़ऱयों की ज़रूरतों को खतरे में न डालते हुए वषऱकृत पदार्थों के उपयोग में कमी के साथ-साथ जीवन चक्र पर अपशषऱट और प्रदूषकों के उत्सर्जन के प्रभाव को कम करते हैं ।

प्रमुख बढऱ

- **SDG 12 के बारे में:**
 - प्रतऱ वऱयकृत **वैश्वकऱ खाद्य अपशषऱट** को आधा करना और वर्ष 2030 तक प्राकृतऱकऱ संसाधनों के कुशल और टकऱऊ उपयोग को सुनशऱचऱतऱ करना ।
 - प्रदूषण को समाप्त करना, समग्र अपशषऱट उत्पादन को कम करना और रसायनों एवं ज़हरीले कचरे के प्रबंधन में सुधार करना ।
 - हरतऱ बुनयऱदी ढाँचे और प्रथाओं को व्यवहार में लाने के लयऱ कंपनऱयों के बीच तालमेल का समर्थन करना ।
 - यह सुनशऱचऱतऱ करना कऱहर जगह हर कऱसी को प्रकृतऱ के साथ सद्भाव में रहने के तरऱकों से पूरी तरह से अवगत करऱया जाए और अंततः उददेश्यपूरण तरऱकों को अपनाया जाए ।
- **भारत की स्थतऱतऱ:**
 - **लाइफसऱटऱइल मैटेरऱयऱल फुटप्रऱटऱ:**
 - यह हमऱरी जीवनशैली से उत्पन्न **संसाधन खपत की मात्रा को मापता है ।**
 - वर्ष 2015 के आँकड़ों के अनुसार, **भारत की औसत 'लाइफसऱटऱइल मैटेरऱयऱल फुटप्रऱटऱ' लगभग 8,400 कलऱगऱम प्रतऱवऱरष प्रतऱ वऱयकृत** है, जो कऱप्रतऱवऱरष प्रतऱ वऱयकृत 8,000 कलऱगऱम के स्थऱयी 'लाइफसऱटऱइल मैटेरऱयऱल फुटप्रऱटऱ' की तुलना में काफी हद तक स्वीकार्य है ।
 - **भोजन की बरबादी:**
 - **संयुक्त राषऱटऱ परऱयावरण कारऱयकरऱम (UNEP) 2021** की रऱपऱरट के अनुसार, भारत में प्रतऱ वऱयकृत प्रतऱवऱरष लगभग 50 कलऱगऱम भोजन बरबाद होता है ।
 - शेष नऱ वरषों (2030) में नऱवऱश में उल्लेखनीय वृद्धऱ कऱयऱ बऱनऱ **खाद्य अपशषऱट या भोजन की बरबादी को आधा करने के लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव** प्रतीत होता है ।
 - **मंढी** के दऱरऱन **गऱरीनहाउस गैस उत्सर्जन, भूख, प्रदूषण** और **धन की बचत पर खाद्य अपशषऱट** में कमी का महत्त्वपूरण प्रभाव हो सकता है ।
 - **पीढी का नुकसान:**
 - **संयुक्त रूप से चीन और भारत की जनसंख्या** वैश्वकऱ जनसंख्या का 36% है, लेकनऱ यह वैश्वकऱ नगरपालकऱ अपशषऱट का केवल 27% उत्पन्न करती है ।
 - जबकऱ संयुक्त राज्ऱ अमेरकऱ की आबादी वैश्वकऱ आबादी का केवल 4% है और यह 12% कचरे का उत्पादन करती है ।
 - **प्लासऱकऱ अपशषऱट:**

- वर्ष 2018 के आँकड़ों के अनुसार, भारत का 'प्लास्टिक नीति सूचकांक' राष्ट्रीय आवश्यकता से काफी नीचे है, लेकिन यह अंतर चीन की तुलना में काफी कम है।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, भारत में एक दिन में करीब 26,000 टन प्लास्टिक का उत्पादन होता है जबकि एक दिन में 10,000 टन से अधिक प्लास्टिक कचरा एकत्र नहीं हो पाता है।
- भारत की प्रतिव्यक्ति प्लास्टिक खपत 11 किलो से कम है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका (109 किलो) का लगभग दसवाँ हिस्सा है।
- **पुनर्चक्रण दर:**
 - वर्ष 2019 में भारत की घरेलू रीसाइक्लिंग दर लगभग 30% थी और नकित भविष्य में इसमें सुधार होने की उम्मीद है।
 - भारत अगले 10 वर्षों में आत्मनिर्भरता की स्थिति प्राप्त कर सकता है यदि राष्ट्रीय पुनर्चक्रण नीति को ठीक से लागू किया जाए तथा पुनर्चक्रण उद्योगों में स्करैप देखभाल तकनीकों को स्थानांतरित किया जाए।
- **जीवाश्म ईंधन सब्सिडी:**
 - वर्ष 2020 में सरकार ने अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.2% जीवाश्म ईंधन पर खर्च किया जो वर्ष 2019 की तुलना में थोड़ा अधिक है।
 - वर्ष 2019 में जीवाश्म ईंधन सब्सिडी में वृद्धि हुई थी जो वैकल्पिक ऊर्जा सब्सिडी से सात गुना अधिक थी।
 - वर्ष 2014 की तुलना में वर्ष 2017 में अक्षय ऊर्जा सब्सिडी में काफी वृद्धि हुई और कुल मात्रा में ऊर्जा सब्सिडी में भारी मात्रा में गिरावट आई।
 - लेकिन वर्ष 2017 के बाद कुल ऊर्जा सब्सिडी में मामूली वृद्धि हुई है।
 - जबकि अक्षय ऊर्जा सब्सिडी में वृद्धि सिराहनीय है, इस क्षेत्र में अधिक संसाधनों को स्थानांतरित करने और जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने की आवश्यकता है।
- **सतत पर्यटन:**
 - स्थायी अथवा **सतत पर्यटन** (Sustainable Tourism) में आगंतुकों, उद्योग, पर्यावरण तथा मेज़बान समुदायों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए वर्तमान एवं भविष्य के आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरणीय प्रभावों का पूरा ध्यान रखा जाता है।
 - यह पर्यटन का कोई विशेष रूप नहीं है बल्कि इसमें पर्यटन के सभी प्रकारों को और अधिक सतत बनाने का प्रयास किया जाता है।
 - कुमाराकोम (केरल) में '**ज़मिंदार पर्यटन**' की परियोजना स्थानीय समुदाय को आतिथ्य उद्योग से जोड़कर और पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बनाए रखने में मदद करती है।
 - हिमाचल प्रदेश ने प्राकृतिक, आरामदायक और बजट के अनुकूल आवास एवं भोजन के साथ पर्यटकों को ग्रामीण क्षेत्रों में आकर्षित करने के लिये एक 'होमस्टे योजना (Homestay Scheme)' शुरू की है।
 - **नीति आयोग के SDG डैशबोर्ड 2020-21** के अनुसार, भारत के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जम्मू-कश्मीर एवं नगालैंड SDG-12 के संबंध में अब तक शीर्ष प्रदर्शन कर रहे हैं।
- **पर्यावरण शिक्षा:**
 - भारत सरकार ने 1960 के दशक में औपचारिक पाठ्यक्रम में पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य घटक के रूप में शामिल किया।

स्रोत: डाउन टू अर्थ